

Privatisation of Education System

706. SHRIMATI URMILABEN HIMANBHAI PATEL: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state: (a) whether Government have any plan to extend the policy of privatisation to the education system;

(b) whether Government intend to allow private universities; and

(c) if so, what are the details thereof and the steps taken in this regard?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPTT. OF EDUCATION IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI MUHI RAM SAIKIA): (a) There is no proposal to privatise Higher Education, which involves transfer of control, fully or partially, from the State to Private enterprises.

(b) and (c) The Government is agreeable to lay down a legislative framework for establishment of Private Universities in suitable areas. Accordingly, the Private Universities Establishment and Regulation Bill was introduced in Rajya Sabha on 25-8-95. The Bill has been examined by the Standing Committee on Human Resource Development. Government is examining the recommendations of the committee.

साक्षरता अभियान के अन्तर्गत आवंटित धनराशियाँ

707. श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला: क्या मानव साधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों में साक्षरता अभियान के अन्तर्गत तर प्रदेश सहित सभी राज्यों को आवंटित की गई राशियाँ का वर्ष-वार एवं राज्य-वार ब्यौरा क्या है,

(ख) उपर्युक्त आवंटित राशि में से कितनी-कितनी राशि उपर्युक्त अवधि के दौरान जारी की गई,

(ग) उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्यों में उक्त योजना अन्तर्गत शामिल किए गए प्राथमिक विद्यालयों का वर्ष-वार प्रतिशत कितना-कितना है, और

(घ) वर्ष 1996-97 में उपर्युक्त अभियान के अन्तर्गत जारी जाने वाली योजनाओं हेतु कितनी धनराशि का श्रद्धा रखा गया है?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग में श्री मुही राम सायकिया: (क) साक्षरता मिशन

के अंतर्गत निधियों का कोई राज्य-वार आबंटन नहीं है।

(ख) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की अनेक योजनाओं के अंतर्गत वर्ष 1993-94, 1994-95 और 1995-96 के दौरान क्रमशः 156.31 करोड़ रुपये, 210.00 करोड़ रुपये तथा 131.21 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

(ग) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालयों को शामिल नहीं किया जाता है।

(घ) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन के अंतर्गत अनेक योजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष 1996-97 के लिए 224.50 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

देश में प्रदूषण का प्रभाव

708. श्री रामजीलाल: क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि: (क) इस समय देश में प्रदूषण के कारण लोगों पर उसका क्या प्रभाव पड़ रहा है और भारत के विभिन्न शहरों में प्रदूषण, विशेषकर धुआँ प्रदूषण की दृष्टि से विश्व में भारत का स्थान क्या है;

(ख) क्या सरकार को किसी धुआँ शोधक यंत्र के बनावट के बारे में हाल ही में पता चला है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ऐसे आविष्कारकों को सरकार द्वारा क्या सुविधाएँ प्रदान की गई हैं; और

(घ) इस समस्या को सुलझाने के लिए सरकार द्वारा क्या कारगर कदम उठाए जा रहे हैं?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री: (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) सरकार को यानीय प्रदूषकों के स्पष्ट कारण और प्रभाव और मानव स्वास्थ्य पर उनका असर से संबंधित किसी अध्ययन की जानकारी नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा संयुक्त रूप से तैयार "विश्व व्यापी प्रदूषण और स्वास्थ्य" नामक दस्तावेज में उल्लेख किया गया है कि निर्लक्षित धूलकणों के स्तर के संबंध में विश्व के 41 शहरों में से दिल्ली, कलकत्ता और मुंबई का स्थान क्रमशः चौथा, छठा और तेरहवाँ है जबकि सल्फरडाईऑक्साइड के संबंध में 54 शहरों में से दिल्ली का 27वाँ, मुंबई का 18वाँ और कलकत्ता का 37वाँ स्थान है। धुएँ के संबंध में कोई विशिष्ट ब्यौरा उपलब्ध नहीं है।

(ख) जी, हाँ। यमुनानगर के श्री ममचंद नामक व्यक्ति से एक पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें बताया गया है कि धुएँ के प्रदूषण को कम करने के लिए उन्होंने एक उपकरण तैयार किया है।

(ग) उक्त पत्र में विभिन्न माडलों, लागत आदि के संबंध में उपकरण-क्षमता, टिकाऊपन, उपयुक्ता संबंधी कार्य निष्पादन के बारे में ब्यौरे नहीं दिए गए हैं। इस उपकरण को स्थापित करने के लिए अनुमति/पंजीकरण तथा प्रधान मंत्री रोजगार स्कीम के तहत 3.0 लाख रुपए के ऋण के लिए अनुरोध किया गया है।

इस प्रकार के सभी निवेदनों को आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इंडिया, पुणे, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून तथा वाहन अनुसंधान विकास प्रतिष्ठान, अहमदनगर जैसी सरकार से अनुमोदित आटोमोटिव परीक्षण एजेंसियों को ऐसे उपकरणों का मानक परीक्षण शर्तों के तहत मूल्यांकन करने के लिए भेजा जाता है। उपकरण के अन्वेषक पेटेंट्स महानियंत्रक उद्योग मंत्रालय से पेटेंट्स के लिए भी आवेदन कर सकते हैं। उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत आयुक्त, लघु उद्योग व्यक्तियों द्वारा उद्योग स्थापति करने के लिए ऋण प्रदान करते हैं।

(घ) मोटरगाड़ियों से होने वाले प्रदूषण के नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं।:-

1. विभिन्न राज्य परिवहन प्राधिकरणों द्वारा सड़क पर चल रहे वाहनों के लिए निर्धारित उत्सर्जन मानक लागू किये जाते हैं।
2. दिल्ली जैसे शहरों के परिवहन विभागों द्वारा यानीय प्रदूषण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों, बचाव उपायों और सांविधिक दंडात्मक उपायों के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिए गहन जागरूकता अभियान चलाए गए हैं।
3. 1.4.1995 से दिल्ली, मुम्बई, कलकत्ता और मद्रास के चार महानगरों में सीसा-रहित पेट्रोल और उत्प्रेरक परिवर्तक लगे हुए चार पहिया वाहन आरम्भ किए गए थे।
4. सरकार के पास परिवहन सेक्टर में बेचने हेतु डीजल में सल्फर की मात्रा कम करने के लिए एक चरणबद्ध कार्यक्रम है।

Selection for Traffic Apprentice in R.R.B., Secunderabad

709. SHRIV. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Railway Recruitment Board, Secunderabad had conducted a written examination for Traffic

Apprentices under Employment Notice No. 1/93;

(b) whether the written examinations were duly held in Secunderabad;

(c) if so, whether the results have been declared; and

(d) the number of candidates selected through said exam?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) to (c) Yes, Sir,

(d) 15 candidates.

हबीबगंज रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य

710. श्री राघवजी: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मध्य प्रदेश में हबीबगंज रेलवे स्टेशन का निर्माण कार्य अभी भी पूरा नहीं हुआ है।

(ख) यह कार्य कब तक पूरा किया जाना था।

(ग) क्या इस कार्य को पूरा किए जाने में कोई विलम्ब हुआ है; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(घ) यह निर्माण कार्य कब तक पूरा कर लिया जाएगा?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतपाल महाराज):

(क) जी हां, बहरहाल नई इमारत का एक बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है तथा उसका उद्घाटन कर दिया गया है।

(ख) तथा (ग) लक्ष्य तिथि दिसंबर, 1995 थी किंतु चूंकि स्थल से अतिक्रमण को राज्य सरकार तथा द्वारा जुलाई, 1995 तक नहीं हटया जा सका, इसलिए काम के समापन में विलंब हुआ।

(घ) 31.10.96 तक।

Projection of India's Cultural Heritage Abroad

711. SHRI RAMDAS AGGARWAL: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state: (a) whether Government are aware that India's great cultural and ancient heritage, the Vedas, Upanishads, Yoga and other lasting achievements which interest West, United States and other countries most, are not being projected properly by our representatives/ lecturers abroad in foreign Universities;